सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 220 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 16 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सबसे दुखद चीज जिसकी मैं कल्पना कर सकता हूं वो है विलासिता का आदी होना।
-चार्ली चैपलिन

गिल की मेहनत पर फिरा... 7 | मप्र की रैली से अपने को आंकेगी... 3 | भाजपा ने प्रदेश में कायम किया... 2

पत्रकारों के बायकॉट को लेकर गरमाई सियासत

» भाजपा के निशाने पर आया इंडिया गठबंधन

» कांग्रेस भी हमलावर- नफरत फैलाने वालों से किया किनारा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंदिर-मस्जिद, धर्म, गाय, नाम, विदेशों में बयान के बाद अब राजनीति के निशाने पर पत्रकार आ गए हैं। जहां विपक्ष ने कुछ पत्रकारों को सत्ता पक्ष का मुखपत्र बताकर प्रतिबंधित कर दिया है वहीं सत्ता पक्ष ने इसे पत्रकारों के ऊपर हमला बता दिया है। कुल मिला इस मुद्दे को लेकर पूरे देश में सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस ने इस प्रतिबंध को असहयोग आंदोलन बताया है तो भाजपा ने इसकी तुलना इमरजेंसी से की हैं।

दरअसल विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों ने 14 मीडिया एंकर्स के शो में अपने प्रतिनिधियों को न भेजने का फैसला किया है। कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अब बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर पलटवार किया है। जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन की आलोचना करते हुए कहा था कि न्यूज एंकरों की इस तरह लिस्ट जारी करना नाजियों के काम करने का तरीका है। उन्होंने ये भी आरोप लगाया था कि विपक्षी गठबंधन 9 चैनलों में 14 एंकरों का बहिष्कार करके मीडिया को धमका रहा है।

ये अघोषित इमरजेंसी की तरह : नड्डा

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाते हुए यह भी कहा था, अब भी इन पार्टियों के अंदर इमरजेंसी के वक्त की मानसिकता बनी हुई है, पंडित नेहरू ने फ्री स्पीच को कमज़ोर किया, इंदिरा गांधी इस तरह के काम करने की गोल्ड मेडलिस्ट थीं और राजीव गांधी ने मीडिया को काबू करने की कोशिश की लेकिन बुरी तरह नाकाम रहे।

पीएम का एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस न करना भी बहिष्कार : सिद्धारमैया

सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जेपी नड्डा को संबोधित करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 सालों में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित न करके हर भारतीय पत्रकार का बहिष्कार किया है, इतना ही नहीं कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि 14 एंकर्स का बहिष्कार करना कैसे गलत हो सकता है जिन्होंने एक राजनीतिक पार्टी का माउथपीस बनकर मीडिया की नैतिकता से समझौता कर लिया हो।

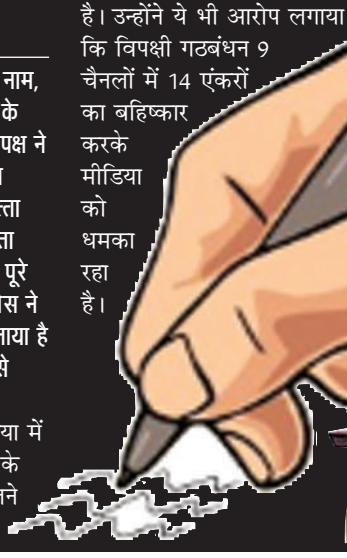

पत्रकारों को अभिव्यक्ति की आजादी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) और उसके चार सदस्यों को दंडात्मक कार्रवाई से राहत दे दी। सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि पत्रकार जमीन पर जाते हैं। वे सही या गलत हो सकते हैं लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी यही है। उन पर मणिपुर में विभिन्न समूहों के बीच कथित रूप से शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप है। उनके खिलाफ शिकायत को सरकार का जवाबी विमर्श करार देते हुए अदालत ने राहत की अवधि को दो सप्ताह के लिए बढ़ा दिया। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, की पीठ ने शिकायतकर्ता से पूछा कि उनके खिलाफ जातीय समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने का मामला कैसे बनता है। पीठ ने शिकायतकर्ता से जवाब मांगा और कहा कि वह उस शिकायत का अध्ययन करेगी, जिसके आधार पर चारों के खिलाफ एफआई दर्ज की गई। कोर्ट ने पूछा कि आईपीसी की धाराओं 195 (विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना) और धारा 200 (अदालतों में झूठी घोषणाएं करना) के तहत ईजीआई सदस्यों के खिलाफ अपराध के मामले कैसे बनाए गए।

इन पत्रकारों का बहिष्कार होगा

इंडिया गठबंधन की ओर से फैसला लिया गया है कि टीवी एंकर चित्रा त्रिपाठी, सुधीर चौधरी, सुशांत सिंह, रुबिका लियाकत, प्राची पाराशर, नविका कुमार, गौरव सावंत, अशोक श्रीवास्तव, अर्नब गोस्वामी, आनंद नरसिम्हन, उमेश देवगन, अमन चोपड़ा और अदिति त्यागी के शो में कोई भी दल अपना प्रवक्ता नहीं भेजेगा। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी थी।

देश में परिवर्तन का गवाह बनेगा तेलंगाना : सोनिया गांधी

» कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में बनेगी रणनीति

» मोदी सरकार व बीजेपी को जनहित के मुद्दों पर घेरेंगे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस पार्टी आज हैदराबाद में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक करेगी। इस बैठक में पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि तीन दिवसीय अहम बैठक का उद्देश्य आगामी चुनाव को देखते हुए तेलंगाना में पार्टी के अभियान को बढ़ावा देना है। सीडब्ल्यूसी बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे।

बैठक में सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल विश्वास जताया कि पार्टी चुनावी राज्य मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में सरकार बनाएगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि पार्टी तेलंगाना के लोगों के लिए छह गारंटियों की घोषणा करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनावों में पार्टी को लोगों से स्पष्ट जनादेश मिलेगा, जयराम रमेश ने सीडब्ल्यूसी बैठक को ऐतिहासिक बताते हगुए कहा कि यह बैठक तेलंगाना की राजनीति के लिए परिवर्तनकारी साबित होगी।

'कांग्रेस हमेशा देश के लोगों के साथ खड़ी है'

खरगे की नई टीम वाली कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक से पहले सोनिया गांधी का पार्टी नेताओं के नाम एक संदेश सामने आया है। सोनिया ने कहा कि नई कार्यसमिति तेलंगाना और देश के सभी लोगों के लिए सम्मान के साथ विकास का एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है। सोनिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा की तरह देश के लोगों के साथ खड़ी रहेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किए अपने पोस्ट में बैठक से पहले सोनिया गांधी का संदेश साझा किया। अपने संदेश में सोनिया ने कहा कि कांग्रेस हमेशा तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं के साथ खड़ी रही है। सोनिया ने कहा,तेलंगाना के लोगों से हमने एक वादा किया था और उसे पूरा भी किया। कांग्रेस हमेशा तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं के साथ खड़ी रही है। अब प्रदेश को विकास और समृद्धि के एक नए युग में ले जाने का समय आ गया है। कांग्रेस कार्य समिति तेलंगाना और पूरे देश के लोगों के लिए विकास का एक नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है।

बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर होगी चर्चा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद यह पहली सीडब्ल्यूसी बैठक है। कल विस्तारित कार्यसमिति की बैठक भी होगी, जिसमें पार्टी से जुड़ी चर्चाएं की जाएंगी।बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी समेत तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। सभी पांच राज्यों में होने वाले चुनावों को लेकर चर्चा करेंगे और उसके मुताबिक योजना बनाएंगे।

चुनाव को गंभीरता से ले रही कांग्रेस : थरूर

हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि यहां दो संदेश हैं। पहला, नई टीम के साथ नई शुरुआत और दूसरा, तेलंगाना में चुनाव। बैठक का हैदराबाद में होना इस बात का संकेत है कि पूरी कांग्रेस पार्टी इस चुनाव को बहुत गंभीरता से ले रही है। हमारे पास एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

भाजपा ने प्रदेश में कायम किया जंगलराज : अखिलेश यादव

» कहा- कानून व्यवस्था पर से सरकार का नियंत्रण खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में दिनदहाड़े हत्या, लूट, डकैती की घटनाएं हो रही हैं। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में जंगल राज कायम कर दिया है। भाजपा सरकार का उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर नियंत्रण नही रह गया है। उन्होंने कहा कि कौशाम्बी में दबंगो ने गर्भवती बेटी, दामाद, ससुर की गोली मारकर हत्या कर दी।

सरधना में एलएलबी के एक छात्र को गोली मार दी गई। सीतापुर में बड़ागांव चौकी के एक गांव में युवती से दुष्कर्म किया गया। मैनपुरी में छह वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म की घटना मन को विचलित करती है। मंगलवार को दिनदहाड़े मिर्जापुर जिले के कटरा कोतवाली क्षेत्र में लुटेरों ने एक्सिस बैंक में रुपये जमा करने आए तीन कैशवेन कर्मचारियों को गोली मारी। गार्ड की हत्या कर 35 लाख रूपये लूट लिए।

इसी तरह मंगलवार को ही प्रयागराज के सिविल लाइन्स क्षेत्र में बदमाशों ने एक अस्पताल के एकाउन्टेन्ट से सात लाख रूपये लूट लिए। अपराधियों ने प्रतापगढ़ जिले में भी कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए डेढ़ लाख रूपये की लूट की। गुरुवार को लखनऊ में निरालानगर में गल्ला व्यापारी के मुनीम से 3.50 लाख रुपये लूट लिए गए। अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा प्रदेश अपराधियों के तांडव से दहशत में है। बीते दिनों आगरा में व्यापारी मनु अग्रवाल की हत्या हो गयी। वाराणसी में बीते रविवार पुलिस फोर्स में भर्ती की तैयारी कर रहे छात्र की दबंगों नें लाठी डंडों और राड से पीटकर हत्या कर दी।

कानपुर जाएगा सपा प्रतिनिधिमंडल, किसान के परिवार से मिलगा

समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल सोमवार को कानपुर जायेगा। प्रतिनिधिमण्डल शोकाकुल किसान के परिवार से मिलेगा। इसमें पूर्व सांसद राजाराम पाल, बृजेश कठेरिया विधायक, अमिताभ बाजपेयी विधायक, मोहम्मद हसन रूमी विधायक, पं ओमप्रकाश मिश्रा, नीलम सोमिला सिंह, फतेह बहादुर सिंह, प्रवीण सिंह यादव और योगेन्द्र कुशवाहा होंगे। एक अन्य प्रतिनिधिमंडल सोमवार को ही आजमगढ़ जायेगा। शोकाकुल परिवार से प्रतिनिधिमण्डल में शामिल लालजी वर्मा राष्ट्रीय महासचिव, राजेश कुशवाहा राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी, दुर्गा प्रसाद यादव विधायक, नफीस अहमद विधायक, बेचई सरोज विधायक, डा एपएन सिंह पटेल विधायक, अखिलेश यादव विधायक, हवलदार यादव, शिव सागर यादव और करूणाकान्त मौर्या रहेंगे।

इस तरह परेशान किया जाएगा तो कोई भी गरीबों की मदद नहीं करेगा : आजम

सपा के दिग्ग्ज नेता आजम खां के आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। इस बीच उन्होंने अपने घर पर मौजूद टीम से कहा कि मैं तो फकीर हूं, शिक्षा देने का काम कर रहा हूं। आप लोग इस तरह परेशान करेंगे तो कोई भी गरीबों को शिक्षित करने आगे नहीं आएगा। आप वापस चले जाएं, मेरी बद्दुआ बहुत तेज लगती है। आजम की हालत देख उनकी पत्नी तजीन फातमा और बेटा अब्दुल्ला आजम भी रो पड़े।

जयराम सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन का काला चिट्ठा खोलेंगे : डिप्टी सीएम मुकेश

» श्वेतपत्र को दिया अंतिम रूप, सदन में होगा पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार पूर्व जयराम सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए श्वेतपत्र लाने जा रही है। इसके ड्राफ्ट को शुक्रवार दोपहर बाद उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय में डेढ़ घंटे तक चली कैबिनेट सब कमेटी की बैठक में अंतिम रूप दिया गया। इससे संबंधित दस्तावेज मानसून सत्र से पहले मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को सौंपे जाएंगे। वे इस श्वेतपत्र को सदन में पेश करेंगे।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि पिछले पांच साल में प्रदेश की वित्तीय स्थिति कहां से चली और कहां पर पहुंच गई। इस सारे सफरनामे को लिखा जा रहा है। हिंदी और अंग्रेजी में इसके दस्तावेज छापे जाएंगे। संबंधित दस्तावेज मानसून सत्र के दौरान सदन के पटल पर रखे जाएंगे। मुकेश ने कहा कि यह गोपनीय दस्तावेज है। अभी इस बारे में कोई बात सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। मंत्रिमंडलीय उपसमिति में कृषि मंत्री चंद्र कुमार और पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह सदस्य के रूप में शामिल हुए।

माताओं-बहनों को परेशान कर रही सरकार : जयराम

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार, पूर्व सरकार में शुरू की गई जनहित की योजनाओं को बंद करने का प्रयास कर रही है। बदले की राजनीति में इस तरह कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे आम लोग प्रभावित हों। उन्होंने कहा कि सरकार गृहिणी सुविधा योजना के बजट को नगण्य करके इसे धीरे-धीरे बंद करने का प्रयास कर रही है, जो गलत है। सरकार गृहिणी सुविधा योजना के लिए बजट उपलब्ध करवाए, जिससे माताओं-बहनों को सब्सिडी पर सिलिंडर मिल सके। बजट न होने से लोगों को एलपीजी सिलिंडर लेने में जेब से मोटी रकम खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार पूरी तरह से नाकाम है। जनता में सरकार के प्रति भारी रोष है। उन्होंने कहा कि जनहितैषी योजनाओं को सरकार बंद न करे। इससे प्रदेश के बहुत लोग जुड़े हैं।

कांग्रेस विधायकों की बैठक में विधानसभा सत्र की बनेगी रणनीति

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास शिमला में प्रस्तावित कांग्रेस विधायकों की बैठक में सुबह 18 सितंबर को विधानसभा सत्र की रणनीति बनेगी। इसमें राज्य सरकार विपक्ष के हर प्रश्न का उत्तर देगी। मुकेश ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पर बड़ी आपदा आई है, लेकिन भाजपा राजनीतिक मकसद से इसे मुद्दा बना रही है।

सिर्फ झूठे आश्वासन देती है शिंदे सरकार: आदित्य ठाकरे

» औरंगाबाद में कैबिनेट की बैठक पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला है। ठाकरे ने कहा कि मौजूदा सरकार ने झूठे आश्वासन देने के अलावा जनता के लिए कुछ नहीं किया है। औरंगाबाद और नासिक जिलों की दो दिवसीय यात्रा पर आये राज्य के पूर्व मंत्री ने कहा कि सरकार मराठवाड़ा के लिए कई घोषणाएं करेगी, लेकिन क्या उन्हें लागू भी किया जाएगा। ठाकरे ने 16 सितंबर को होने वाली मंत्रिमंडल की विशेष बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार बैठक के लिए इतना खर्च कर रही है, अगर मराठवाड़ा में कुछ अच्छा होने जा रहा है तो यह सारा खर्च जायज है। गुजरात, गुवाहाटी और गोवा में इस तरह का जो खर्च हुआ था, वह पैसा कहां से आया था।

डबल इंजन की सरकार मूर्ख बनाने वाली बात : अरविंद केजरीवाल

» बोले- जहां भी है ये इंजन घातक साबित हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा का नाम लिए बिना जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में बड़े दावों के साथ प्रचार की गई डबल इंजन वाली सरकार वहां के लोगों के लिए घातक साबित हुई है, जबकि नए इंजन वाली सरकार से पंजाब के शासन में इंकलाबी तब्दीली आई है।

वह सरकार- उद्योगपति मिलनी के दौरान मोहाली पहुंचे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार लोगों को मूर्ख बनाने वाला जुमला था जबकि नए इंजन वाली सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित और वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत वाले बड़े प्रोजेक्ट पंजाब में औद्योगिक क्षेत्र के सामूहिक विकास के लिए शुरू किए जा रहे हैं।

स्वाति मालीवाल की सीएम नीतीश कुमार को चिट्ठी

दिल्ली महिला आयोग ने बिहार के एक स्कूल में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म होने पर वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा। आयोग ने इस मामले में मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं इस मामले की उचित जांच एसआईटी से कराने की सिफारिश की है। वहीं पूछा कि क्या आरोपियों ने अन्य बच्चियों के साथ भी इसी तरह के अपराध नहीं किए है? सीएम नीतीश को लिखी चिट्ठी में स्वाति मालीवाल ने इस मामले में कड़ी जांच का आग्रह किया है और पीड़िता को कानून मदद मिलनी चाहिए साथ ही मुआवजा भी दें।

सरकार की विफलता छिपाने के लिए मामन को गिरफ्तार किया : अरोड़ा

» कांग्रेस बोली- नूंह घटना की न्यायिक जांच हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की राजनीति में घमासान मच गया है। सत्ता व विपक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाने में जुट गए हैं। कांग्रेस के नेताओं ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और न्यायिक जांच की मांग की। वहीं, सत्ता पक्ष ने खान की गिरफ्तारी को कानूनी प्रक्रिया के तहत सही ठहराया है। कांग्रेस नेता व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अशोक अरोड़ा ने कहा कि गृह मंत्री अनिल विज और रोहतक के सांसद अरविंद शर्मा मोनू मानेसर को गोभक्त बताते थे लेकिन सच्चाई अब सामने आई है कि वह लॉरेंस गैंग से जुड़ना चाहता था।

पुलिस पूछताछ में हत्या का दोष उसने खुद मान लिया है। सरकार ने अपनी विफलता छिपाने के लिए कांग्रेस विधायक मामन खान को गिरफ्तार किया है। भाजपा न्यायिक जांच से क्यों भाग रही है। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि जहां-जहां हिंसा हुई, वहां-वहां मामन खान की संलिप्तता पाई गई। उन्होंने विधानसभा में भी जो बयान दिया था, वह बेहद गैर जिम्मेदाराना था। जांच के बाद ही मामन खान को गिरफ्तार किया गया है।

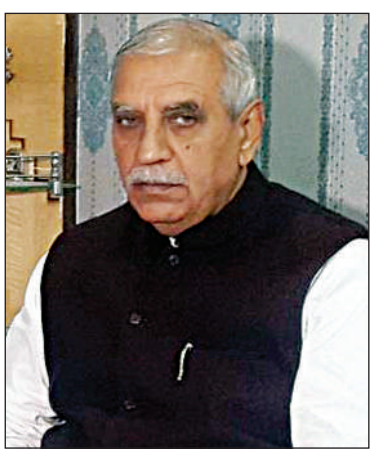

कांग्रेस जांच से क्यों भाग रही : दिग्विजय चौटाला

जजपा महासचिव दिग्विजय चौटाला ने कहा कि कांग्रेस को इस जांच से भागना नहीं चाहिए। कांग्रेस विधायक खान ने जिस तरीके से विधानसभा में बयान दिया था और हिंसा के दौरान जो उनकी गतिविधियां रही हैं, उन सभी की अब जांच होगी। मोनू मानेसर की भी जांच होगी। भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि मामन खान अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट गए थे लेकिन उन्हें जमानत नहीं मिली। मोनू मानेसर की गिरफ्तारी के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता जो इस्तीफे दे रहे हैं, वह भी ठीक है। अगर हमारे दल का नेता होता तो हम भी विरोध जताते। खान की गिरफ्तारी पर कांग्रेस भी विरोध जताएगी।

कानूनी कार्रवाई से दिक्कत नहीं : उदयभान

हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि यदि मामन खान को विधानसभा में दिए बयान की वजह से गिरफ्तार किया गया है तो यह गलत है। यदि मामन पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं तो हमें कोई दिक्कत नहीं। मगर राजनीतिक दुर्भावना के तहत कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

कोर्ट ने कांग्रेस विधायक मामन को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

चंडीगढ़। फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह जिला अदालत ने पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस कस्टडी डिमांड पर भेजा है। पुलिस ने मामन खान को राजस्थान से गिरफ्तार किया था। इसके बाद शुक्रवार को उसे नूंह जिला कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। कोर्ट में पेशी के समय सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। हरियाणा पुलिस ने फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह हिंसा की साजिश रचने के मामले में राजस्थान से गिरफ्तार किया था। एडीजीपी ममता सिंह ने इसकी जानकारी दी थी। हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में शुक्रवार यानी 15 सितंबर सुबह 10 बजे से 16 सितंबर की रात 12 बजे तक मोबाइल इंटरनेट अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई है।

मप्र की रैली से अपने को आंकेगी इंडिया

- गठबंधन की पहली जनसभा भोपाल में
- अक्टूबर के पहले सप्ताह में जुटेगी भीड़
- कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत
- अन्य सहयोगियों ने भी कसी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए बना इंडिया गठबंधन पूरी ताकत के साथ 2024 के लोक सभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को पटखनी देनो को तैयार है। अपने तीन बैठकों में रणनीति तैयार करने के बाद समन्वय बैठक में इंडिया ने फैसला किया है कि वह अपनी पहली रैली भोपाल में करेगी। सियासत के जानकारों का कहना है मप्र के भोपाल से इस रैली के बहाने इंडिया गठबंधन मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव को साधना चाहता है इसलिए उसने भोपाल को चुनाव है। रैली में जुटी भीड़ से अनुमान भी लग जाएगा जनता का मूड इंडिया गठबंधन को लेकर क्या है। खैर आगे क्या होगा ये चुनावों के बाद ही पता चलेगा। वहीं इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन का भोपाल रैली में लिटमस टेस्ट होगा। अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने वाली बैठक में तय होगा कि गठबंधन में शामिल पार्टियां मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ साझा उम्मीदवार के साथ चुनाव लड़ेंगी या फिर अलग-अलग प्रत्याशी उतारेंगी।

विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। भाजपा को घेरने के लिए विपक्षी दलों ने केंद्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन बनाया है। हालांकि, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में गठबंधन की सुगबुगाहट अब तक नहीं दिखी है। अब इंडिया गठबंधन की अक्टूबर के पहले सप्ताह में भोपाल में रैली और बैठक होना तय किया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भोपाल इंडिया गठबंधन का लिटमस टेस्ट होगा, क्योंकि यहां पता चल जाएगा कि गठबंधन 2024 के चुनाव के लिए एक हैं या नहीं। अब तक गठबंधन की पटना, बेंगलुरू और मुंबई में तीन बैठकें हो चुकी हैं। इसमें यह तय नहीं हो पाया है कि असल में ये एकजुट हैं या नहीं? अब तक गठबंधन की 26 विपक्षी पार्टियां अपना नेता नहीं चुन सकी हैं। ये दल अब तक यह नहीं कर पाए है कि एक साथ चुनाव लड़ेंगे या अलग-अलग। ऐसे में अब भोपाल की बैठक और रैली में इन सभी सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भोपाल में गठबंधन की दशा और दिशा तय होगी

इंडिया गठबंधन में शामिल दल पहली बार चुनावी राज्य में जुट रहे हैं। निश्चित ही यहां पर टिकटों के तालमेल को लेकर बात होगी। यदि यहां पर प्रत्याशियों के बारे में आपस में तालेमल कर लेते है तो गठबंधन सफल होता दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं कर पाते है तो आगे गठबंधन में फूट पड़ सकती है। भोपाल की बैठक और रैली निश्चित ही गठबंधन की दशा और दिशा तय करेगी।

आप ने अलग से उतारे प्रत्याशी कांग्रेस कर रही इंतजार

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा, आप, सपा और बसपा ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इंडिया गठबंधन का हिस्सा आप और सपा ने भी मध्य प्रदेश में 10 और सात प्रत्याशियों के नाम का एलान कर दिया है। वहीं, दूसरी तरफ अभी कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची जारी करने का इंतजार कर रही है। इसके पीछे की वजह कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा और इंडिया गठबंधन की बैठक बताई जा रही है। जानकारों का कहना है कि गठबंधन की बैठक तक कांग्रेस टिकट कटने की कार्यकर्ताओं की नाराजगी से बचना चाहती है। साथ ही दूसरा कारण गठबंधन में साझा उम्मीदवारों को लेकर फैसले का इंतजार करना भी बताया जा रहा है। आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2018 में 208 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें सभी की जमानत जब्त हुई। लेकिन पिछले नगरीय निकाय चुनाव में आप ने सिंगरौली में महापौर पद जीता। दो से तीन जगह आप के प्रत्याशी दूसरे नंबर पर रहे। वहीं, 47 पार्षद चुनाव जीते। विंध्य में पार्टी की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल गया है। इससे पार्टी पहले ही उत्साहित है। आप ने पहले ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। दरअसल, पार्टी अधिक से अधिक जगह चुनाव लड़ कर इंडिया गठबंधन में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहती है। इससे गठबंधन में उसकी बातों का वजन ज्यादा होगा। वहीं, सपा ने भी अपने सात उम्मीदवार उतारे है। इसका प्रभाव ग्वालियर-चंबल और विंध्य के जिलों में है।

प्रियंका की 30 से ज्यादा सभाएं होंगी मध्य प्रदेश में

मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर कांग्रेस ने भी कमर कस ली है। कुछ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा भी कांग्रेस करने वाली है। उधर बड़े नेताओं की आमसभा व रोड शो की प्लानिंग भी हो रही है। चुनाव में कांग्रेस की सबसे बड़ी स्टार प्रचार प्रियंका गांधी होगीं। वे पूरे मध्य प्रदेश में 30 से ज्यादा सभाएं लेगीं। उनका फोकस मालवा निमाड़ पर ज्यादा रहेगा। प्रचार अभियान के पहले चरण में ही वे राजगढ़, सरदारपुर और इंदौर में चुनावी सभाएं ले रही है। इसके अलावा ग्वालियर-चंबल संभाग में भी उनकी सभाएं प्लान की जा रही है।

कांग्रेस का युवा मतदाता पर ज्यादा फोकस

कांग्रेस इस बार मध्य प्रदेश के युवा मतदाता पर ज्यादा फोकस करेगी,इसलिए इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर जैसे शहरी क्षेत्रों में प्रियंका गांधी के अलावा शशि थरुर,सचिन पायलेट की सभाएं भी हो सकती है। युवा वर्ग को आकर्षित करने के लिए कन्हैया कुमार की सभाएं भी कांग्रेस कराएंगी। इसके अलावा अभिनेता राज बब्बर, पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन, नगमा की सभाएं भी मध्य प्रदेश में होंगी। इंदौर में प्रियंका की सभा को लेकर भोपाल मे बैठक होगी। उसमें सभा की तिथि तय होगी। इंदौर में सभा के अलावा प्रियंका का रोड शो भी होगा। रोड शो पश्चिम क्षेत्र में होगा। राहुल गांधी की सभा निमाड़ क्षेत्र में हो सकती है। पिछल विधानसभा चुनाव में निमाड़ से ज्यादा सीटे मिली थी और किसानों से जुड़े मुद्दे कांग्रेस ने मतदाता कांग्रेस से खुश थे। इस बार कांग्रेस विधायकों के साथ एंटी इंकमबैंसी फेक्टर न हो, इसलिए राहुल गांधी के निमाड़ में दौरे ज्यादा होंगे। भारत जोड़ो यात्रा में भी निमाड़ के आठ से ज्यादा विधानसभा क्षेत्र राहुल ने कवर किए थे।

राजस्थान में गहलोत अब भी पहली पसंद

- 38 प्रतिशत लोगों कहा- अच्छे सीएम
- 25 प्रतिशत लोग पायलट का नाम ले रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान में कांग्रेस के सीएम फेस के चुनाव को लेकर अशोक गहलोत और सचित पायलट के बीच एक बार फिर खींचतान देखने को मिल सकती है। इसी तरह बीजेपी में भी मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर काफी खींचतान मची हुई है। एक और वसुंधरा राजे के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के लिए लगातार मांग कर रहे हैं।

वहीं बीजेपी हाई कमान का कहना है कि विधानसभा चुनाव पीएम मोदी के चेहरे पर लड़ा जाएगा। इधर राजस्थान में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर ने एक सर्वे कराया गया। इसके बाद लोगों ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी पसंद बताई है। लोगों में इस बात को लेकर काफी चर्चा है कि इस बार कांग्रेस और बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री चेहरे के कौन दावेदार होंगे? सर्वे के दौरान 38प्रतिशत लोगों ने सीएम अशोक गहलोत को अपनी मन पसंदीदा मुख्यमंत्री चेहरा बताया। जबकि प्रतिशत लोग सचिन पायलट को सीएम पद के लिए अपनी पहली पसंद बताया है। वहीं 25 प्रतिशत लोग पायलट का नाम ले रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हाईकमान ने दोनों नेताओं को एक विशेष समझौते के तहत मना लिया है। इसके कारण दोनों एक दूसरे पर जुबानी हमले नहीं कर रहे हैं, लेकिन फिर भी यही माना जा रहा है कि कांग्रेस में जब भी मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर सवाल खड़ा होगा। तब यह विवाद एक बार फिर उभर कर सामने आ सकता है।

26 प्रतिशत लोगों की पसंद वसुंधरा राजे

राजस्थान में बीजेपी की तरफ से कांग्रेस को चुनौती देने वाली नेता के नाम पर वसुंधरा राजे का नाम आया। सर्वे के अनुसार 26प्रतिशत लोग वसुंधरा को मुख्यमंत्री के तौर पर पसंद करते हैं। वहीं सचिन पायलट की बात की जाए तो, इस सर्वे रिपोर्ट में पायलट तीसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों में काफी समय से विवाद चल रहा है। इस सर्वे रिपोर्ट में जहां

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को 38प्रतिशत लोगों ने अपनी

बीजेपी में मुख्यमंत्री चेहरे के कई दावेदार

कांग्रेस की तरह बीजेपी में भी मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर विवाद है। बीजेपी में मुख्यमंत्री चेहरे के दावेदार की बात की जाए तो, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद दिया कुमारी, अर्जुन राम मेघवाल, ष्टक्कजोशी समेत कई नेता इस दौड़ में शामिल है। दूसरी ओर वसुंधरा राजे के समर्थक लगातार उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की मांग पर अड़े हुए हैं। अब देखने वाली बात होगी कि आगामी में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर क्या विवाद देखने को मिलता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता की जांच जरूरी

अंग्रेजों के जमाने के बने दंड के कानूनों में संशोधन की शुरुआत हो रही है। केंद्र सरकार नये कानून बनाने को लेकर सक्रिय है। उसने इसके लिए संशोधन विधेयक लोकसभा व राज्य सभा में पारित किया है इन्हीं में एक कानून राजद्रोह का है जिसे बदलने की कवायद हो रही है। इसी सिलसिले में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता की जांच के लिए मामले को संविधान पीठ को भेजने का फैसला किया है। इस कानून पर लंबे समय से सवाल उठाए जा रहे हैं और इसके दुरुपयोग के आरोप भी हैं। सरकार ने कहा है कि वे नया न्याय संहिता विधेयक लाएगी, लेकिन इसकी जरूरत नहीं है। गौर करने की बात है कि औपनिवेशिक शासन वाले दौर से चले आ रहे इस कानून पर सवाल लंबे समय से उठाए जा रहे हैं, इनके दुरुपयोग के आरोप भी पुराने हैं, इसके बावजूद इसका पूरी तरह हटना संभव नहीं हो पा रहा। किसी न किसी वजह से यह प्रक्रिया लंबी खिंचती चली जा रही है। यह बात बार-बार कही जा चुकी है कि अंग्रेजी शासन के दौर में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं की आवाज दबाने में इसका इस्तेमाल होता था, पर आजादी के बाद जब हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक राष्ट्र बन गए तो राजद्रोह कानून का कोई औचित्य नहीं रह गया।

ऐसे में सबसे अच्छा यही था कि आजाद भारत की कोई सरकार अपनी ओर से पहल करते हुए इसे समाप्त कर देती। लेकिन किसी कारण ऐसा नहीं हुआ तो भी इस कानून का इस्तेमाल कम होते हुए बंद हो जाना चाहिए था। ऐसा हो जाता तो नाममात्र के लिए कानून के बने रहने का भी कोई खास नुकसान नहीं था। लेकिन दिलचस्प बात है कि देश की लोकतांत्रिक ढंग से चुनी तमाम सरकारें भी इस कानून का धड़ल्ले से इस्तेमाल करती रहीं और कई मामलों में इसके दुरुपयोग की बात भी स्थापित हुई। यही वजह है कि पिछले साल मई महीने में सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की बेंच ने इस कानून के तहत की जाने वाली कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी। फिर भी सरकार का रुख इसे लेकर खास बदला हुआ नहीं दिख रहा। कोर्ट में सरकार की ओर से यह अनुरोध किया गया कि मामले को संविधान पीठ के पास भेजना टाल दिया जाए। उसका तर्क था कि चूंकि सरकार इस कानून की जगह भारतीय न्याय संहिता विधेयक लाने ही वाली है, इसलिए क्यों न उसका इंतजार कर लिया जाए। मगर न्याय संहिता बिल के लिए रुकने की कोई जरूरत नहीं थी। कुछ हलकों से यह आरोप भी लग रहा है कि भारतीय न्याय संहिता विधेयक के जरिए सरकार पहले से भी ज्यादा कठोर प्रावधान लागू कराने की कोशिश में है। ऐसे में जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता पर विचार करे और फिर उसके फैसले की रोशनी में ही नए कानून बनाए जाएं।

“ गौर करने की बात है कि औपनिवेशिक शासन वाले दौर से चले आ रहे इस कानून पर सवाल लंबे समय से उठाए जा रहे हैं, इनके दुरुपयोग के आरोप भी पुराने हैं, इसके बावजूद इसका पूरी तरह हटना संभव नहीं हो पा रहा। किसी न किसी वजह से यह प्रक्रिया लंबी खिंचती चली जा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनतंत्र की अनिवार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति

विश्वनाथ सचदेव

हाल ही में संपन्न हुए जी-20 आयोजन की 'शानदार सफलता' के बारे में बहुत कुछ कहा जा चुका है। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के आलोचक भी यह बात स्वीकार कर रहे हैं कि कुछ सदस्य देशों के विरोध के बावजूद इस सम्मेलन में एक 'सर्वसम्मत' सामूहिक विज्ञप्ति जारी की जा सकी। भारत से लेकर अमेरिका तक के कॉरिडोर का मुद्दा हो या रूस-यूक्रेन का मुद्दा या फिर अफ्रीकी यूनियन को जी-20 का सदस्य बनाने का मामला, इन सबको भारत की दृष्टि से जी-20 की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के रूप में ही गिना जायेगा। जहां तक इस पूरे आयोजन का सवाल है, निश्चित रूप से यह भव्य और शानदार था। मजाक में ही सही, पर कहा जा रहा है कि जी-20 के आगामी मेजबान के लिए आयोजन की यह भव्यता एक बड़ी चुनौती बन जायेगी।

आयोजन की समाप्ति पर हमारे प्रधानमंत्री मीडिया से 'मिलने' आये थे। उम्मीद की जा रही थी कि वे संभवत: मीडिया को संबोधित करेंगे, पर वह हाथ हिलाते हुए 'सबको धन्यवाद' कह कर ही उत्सुक मीडिया के सामने से निकल गये। मीडिया की निराशा स्वाभाविक है। सच पूछा जाये तो यह एक मुद्दा है जिसे लेकर भारत में, और भारत से बाहर भी, चर्चा हो रही है। हमारे प्रधानमंत्री प्रेस के सवाल-जवाब से कतराते हैं, यह बात जग-जाहिर है। भाजपा सरकार के दो कार्यकाल पूरे हो रहे हैं। इन लगभग नौ सालों में प्रधानमंत्री का एक भी प्रेस-सम्मेलन में भाग न लेना चर्चा का ही नहीं, आलोचना का विषय भी बना हुआ है। और यह भी सही है कि प्रधानमंत्री मोदी इस आलोचना से परेशान होते हुए भी नहीं दिख रहे। लगता है उन्हें विश्वास है कि उनका मीडिया-प्रबंधन इस आलोचना से आसानी से उबर सकता है। दुनिया भर के मीडिया कर्मी इस सम्मेलन को कवर करने के लिए आये हुए थे। सबके पास पूछने के लिए कुछ था। खासकर दुनिया के इतने बड़े-बड़े नेताओं का सम्मेलन मीडिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। उम्मीद की गयी थी कि सम्मेलन की संयुक्त विज्ञप्ति के जारी किये जाने के अवसर पर राष्ट्राध्यक्षों की द्विपक्षीय वार्ताओं के बारे में बड़े नेता मीडिया से मुखातिब होंगे, पर ऐसा हुआ नहीं। और कहा यह जा रहा है कि सम्मेलन के मेज़बान राष्ट्र भारत ने ऐसा कुछ होने नहीं दिया। भारत-अमेरिका की द्विपक्षीय वार्ता के बाद मीडिया को

बहुत उम्मीद थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री सामूहिक रूप से मीडिया को संबोधित करेंगे- फिर चाहे यह संबोधन प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुए एक-एक सवाल जैसा ही क्यों न हो। पर ऐसा कुछ हुआ नहीं। यह नहीं बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ आये पत्रकारों को संबोधित करने का अवसर उन्हें नहीं दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रवक्ता के अनुसार 'राष्ट्रपति बाइडेन ऐसी प्रेस-वार्ता के लिए तैयार थे, पर मेबान राष्ट्र की असहमति के कारण ऐसा हो नहीं पाया।' अपने मीडिया से राष्ट्रपति बाइडेन ने बात तो की, पर भारत में नहीं, इंडोनेशिया में। वहां पहुंचकर उन्होंने यह कहना भी जरूरी समझा कि उन्होंने जी-20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से हुई बातचीत में प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा का मुद्दा भी उठाया था। भारत की ओर से अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है, पर अपने आप में यह बात कम महत्वपूर्ण नहीं है कि भारत और अमेरिका के नेताओं ने इस विषय पर बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वियतनाम में जाकर बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से 'मानवीय अधिकारों, प्रेस की स्वतंत्रता और सिविल सोसायटी के सम्मान' करने की बात कही थी। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री मोदी जब अमेरिका की राजकीय यात्रा पर गये थे तब भी वार्ता के दौरान यह मुद्दे उठे थे और बाद में चर्चा का विषय भी बने थे। प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा का सवाल जनतांत्रिक मूल्य और आदर्शों के साथ जुड़ा है। अमेरिका और भारत दोनों जनतांत्रिक देश हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के संदर्भ में दोनों देश अपनी प्रतिबद्धता घोषित करते रहते हैं। दोनों देशों के संविधानों में इसका स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसीलिए यह बात थोड़ी अजीब लगी थी जब बड़े नेताओं ने मीडिया से सीधे बात करने में अपनी असमर्थता दिखायी। आखिर वह क्या विवशता थी जिसके चलते इस आशय का निर्णय किया गया। इस जी-20 सम्मेलन में मीडिया के लिए विशेष प्रबंध किये गये थे। दिन पीएम मोदी का मीडियाकर्मियों के सामने से हाथ हिलाते हुए निकल जाना यह भी बता रहा था कि कहीं कुछ है जो हमारे प्रधानमंत्री को मीडिया से परहेज़ रखने के लिए विवश करता है।

राष्ट्र का आत्मविश्वास बढ़ाती है निज भाषा

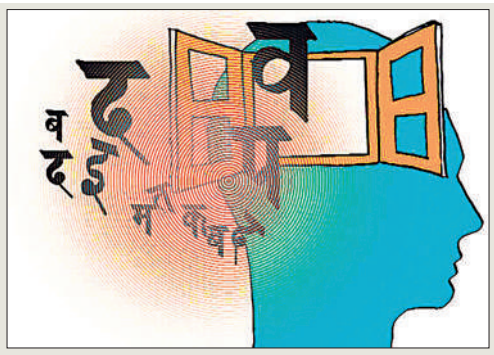

प्रोफेसर सर्वदमन मिश्र

आधुनिक भारत के दो घोर परिवर्तनवादी गुजरात से थे। एक ने भारत की मुख्य धार्मिक परम्परा में आमूल परिष्करण का प्रयास किया और दूसरे ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध चल रहे एक मंथर-से राजनीतिक आंदोलन को सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय जनांदोलन में कायान्तरित किया। इन दोनों में जहां स्वामी दयानन्द सरस्वती 'स्वराज' के विचार के प्रथम प्रयोक्ता हैं, वहीं महात्मा गांधी 'स्वराज' के विचार में नए अर्थ गुंफन करने वाले हैं। संयोग यहीं समाप्त नहीं होते, दोनों ही इस बात के भी बड़े पैरोकार थे कि जातीय चेतना का निर्माण स्वयं की भाषा के बिना नहीं हो सकता। दोनों ने ही हिंदी को अपने माध्यम के रूप में प्रधानत: चुना। अंतर बस इतना है कि दयानंद सरस्वती का बल एकरूपता पर था वहीं गांधीजी वैविध्य के पोषक थे। अतएव भारतीय भाषाओं के समान संवर्धन-संरक्षण पर उनका बल था। साल 1920 में भाषायी आधार पर प्रांतीय कांग्रेस कमेटियों का गठन उन्हीं के हस्तक्षेप का परिणाम था।

भारत में दिए गए गांधीजी के प्रारम्भिक वक्तव्यों में सबसे उल्लेखनीय 1916 का वह भाषण है जो उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के अवसर पर दिया था। गांधीजी को अंग्रेजी में बोलने के लिए कहा गया और उन्होंने तत्क्षण विडंबना को भांप लिया। गांधीजी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा- 'इट इज ए मैटर आफ डीप ह्यूमिलेशन एंड शेम फॉर अस दैट आई एम कंपैल्ड दिस इवनिंग, अंडर द शैडो ऑफ दिस ग्रेट कॉलेज, इन द सेक्रेड सिटी, टु एड्रेस माई कंट्रीमैन इन द लैंगुएज दैट इज फॉरेन टु मी।' ब्रिटिश भारत में पहली बार ऐसा हुआ था कि किसी ऐसे मंच से जहां शासन की भी सहभागिता हो, अंग्रेजी का विरोध किया गया हो। गवर्नर लॉर्ड हार्डिंग स्वयं उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित थे, ऐनी बेसेन्ट आयोजनकर्ताओं में से एक थीं। ऐनी बेसेन्ट ने गांधीजी को रोकने का प्रयास भी किया परन्तु गांधीजी ने अडिग और अविरल रूप से एक दीर्घ वक्तव्य दिया और राष्ट्र निर्माण के बहुतेरे पहलुओं को छूआ।

भारतीय नेताओं में राष्ट्र निर्माण की सबसे बेहतर समझ गांधीजी की थी। अन्य नेताओं की अपेक्षा वे पश्चिम से आक्रान्त और अभिभूत हुए बिना सच्चे स्वराज के संधान में जुटे थे। 'राष्ट्रीय आंदोलन स्वत्व की पहचान और उससे तादात्म्य की प्रक्रिया है और राजनीतिक स्वतंत्रता उसमें अनुषंगी मात्र है', गांधीजी ऐसा मानते थे। साल 1909 में हिंद स्वराज में उन्होंने लिखा, 'सच्चा स्वराज तभी संभव होगा जब हम अंग्रेजों की नकल छोड़कर अपना मौलिक नैसर्गिक मुहावरा गढ़ेंगे।' इसीलिए राजनीतिक स्वराज की पूर्व शर्त के रूप में उन्होंने 'स्व पर राज' को देखा। सामाजिक-सांस्कृतिक परिष्करण और उसके उपरान्त बने आत्मविश्वासी एवं निर्भीक समाज के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता स्वयं सिद्ध हो सकती है, ऐसा वे निरन्तर याद दिलाते थे।

इन सबके बावजूद स्वतंत्रता के उपरान्त भारत की भवितव्यता (भाग्य) अन्य औपनिवेशिक समाजों से कुछ खास अलग नहीं बन पायी। पश्चिम के जिस सांस्कृतिक प्रभुत्व की गांधीजी को चिंता थी उसका सम्यक निराकरण न हो सका। आत्महीनता-आत्मसंशय भारतीय मनोजगत का हिस्सा हो गया। हम पश्चिमी समाज के मुखापेक्षी हो गए और यह सबसे अधिक दृष्टिगोचर हुआ भाषा के क्षेत्र में। भारतीय समाज और विशेषकर हिंदी भाषी समाज में यह आत्मविश्वास कभी आया ही नहीं कि उनकी भाषा साहित्य के साथ शास्त्र की भाषा भी हो सकती है। फ्रांट्स फैनन उपनिवेशवादी समाजों की आत्महीनता और उससे उपजे आत्म-तिरस्कार की जो बात कहते हैं वह हिंदी के मामले में माकूल बैठती है। रघुवीर सहाय की प्रसिद्ध कविता 'हमारी हिंदी दुहाजू की नयी बीवी है' का केन्द्रीय कथ्य है कि अंग्रेजी के चले जाने के बाद उसकी जगह लेने आयी हिंदी रूप-रंग और गुण में एक समझौता भर है। एक उपेक्षिता के रूप में हिंदी का जो बिंब इस कविता में उभरा है वह यथार्थ की अभिव्यक्ति है। देखा जाए तो 17वीं-18वीं शताब्दी में जब यूरोप के बौद्धिक समाज ने लैटिन को त्याग कर अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन जैसी स्थानीय भाषाओं का वरण किया तो ये सब भी 'दुहाजू की बीवियां' ही थीं। पर अपने-अपने समाज से मिले यथोचित विश्वास ने उन सबका रूपान्तरण कर दिया। अगली तीन सदियां यूरोप की भाषाओं में प्रचुर साहित्य तथा ज्ञान उत्पादन की सदियां थी। इस दौर ने यूरोपीय भाषाओं को ही नहीं यूरोपिय समाज को भी एक उच्चतर मनोभूमि पर पहुंचा दिया।

इसके उलट आजादी के उपरान्त हिंदी परिणीता होने के बाद भी प्राणप्रिया न बन सकी। हिंदी को लेकर तो हमारा विश्वास इस कदर डगमगाया कि यह हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक क्या, घरेलू जीवन में भी अंग्रेजी की अनुचरी बन कर रह गयी है। हिंदी भाषी क्षेत्र में मांएं अपने बच्चों से उस विचित्र भाषा में बात करती हैं, जिसमें मात्र क्रिया पद ही हिंदी के बचे हैं। कभी हिंदी में समाज विज्ञान और मानविकी की उत्कृष्ट पाठ्य पुस्तकें रचने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रभाग अब मृतप्राय है। इस समय शुद्ध विज्ञानों तथा समाज विज्ञानों में अकादमिक विमर्श पर केन्द्रित ऐसा कोई जर्नल हिंदी में प्रकाशित नहीं हो रहा, जो उल्लेखनीय हो। हिंदी का यह दारिद्रय एक भाषा की ही समस्या नहीं है, सामाजिक समस्या भी है। इससे वर्ग भेद विस्तार की आशंका बलवती हो रही है। 'हिंदी की सीमा', हिंदी से पढ़े-लिखे की सीमा बनती जा रही है और यह जीवन के कार्य-व्यापार में अंग्रेजी वाले से पिछड़ रहा है।

जय श्री विश्वकर्मा

सकल सृष्टि के कर्ता रक्षक स्तुति धर्मा...

हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए, विश्वकर्मा जयंती अत्यधिक धार्मिक महत्व रखती है। यह दिन पवित्र बढ़ई और दुनिया के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा के सम्मान में मनाया जाता है। वह भगवान ब्रह्मा के पुत्र भी हैं। उनकी महानता वास्तुकला और यांत्रिकी के विज्ञान, ऋग्वेद और स्थापत्य वेद में वर्णित है। कार्यकर्ता वर्ग के लिए विश्वकर्मा पूजा का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन, वे भगवान विश्वकर्मा से अपने-अपने क्षेत्र में प्रगति और अपनी मशीनरी के सुचारू और सुरक्षित कामकाज के लिए प्रार्थना करते हैं। शिल्पकार इस दिन विश्वकर्मा पूजा के लिए अपने औजारों पर काम करते हैं और उनका उपयोग करने से परहेज करते हैं।

पूजा तिथि और मुहूर्त

कन्या संक्रांति या कन्या संक्रमणम का दिन, जैसा कि 17 सितंबर को ग्रेगोरियन कैलेंडर में निर्दिष्ट है। विश्वकर्मा पूजा संक्रांति मुहूर्त- सुबह 07:36 बजे।

पूजा के लाभ

एक सफल करियर के लिए जरूरी। चल संपत्ति से संबंधित इच्छाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक। एक घर या कार्यालय खरीदने के लिए सही समय। भगवान विश्वकर्मा का अनंत आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए होता है। घर या ऑफिस में सकारात्मकता लाने के लिए जरूरी है। काम पर उत्पादकता बढ़ाने में होता है। एक सुरक्षित और सुरक्षित कार्य वातावरण प्राप्त करने के लिए होता है। उन सभी नकारात्मकताओं से छुटकारा पाने के लिए जो काम में समस्याएं पैदा कर रही हैं।

भगवान विश्वकर्मा का जन्म

भगवान विश्वकर्मा की रचना और जन्म से संबंधित किंवदंतियों और विवरणों के बारे में विभिन्न कथाएं हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार, धर्म भगवान ब्रह्मा के पुत्र, वास्तु की पत्नी का नाम था। वास्तु, शासन करने वाले शिल्प देवता, और वास्तु वास्तु के सातवें पुत्र थे। वही वासुदेव जिन्होंने भगवान विश्वकर्मा को जन्म दिया, जिनकी पत्नी का नाम अंगिरेसी था। स्कंद पुराण के अनुसार, बुद्धिमान धर्म के आठवें पुत्र प्रभास का विवाह अब बृहस्पति की बहन, देवी वादिनी से हुआ था। दिव्य वादिनी विश्वकर्मा की माता थीं। इसके अलावा, वराह पुराण में कहा गया है कि भगवान ब्रह्मा द्वारा लोगों की भलाई के लिए विचारशील व्यक्ति विश्वकर्मा की स्थापना पृथ्वी पर की गई थी। लोगों का मानना है कि भगवान विश्वकर्मा का जन्म विश्वकर्मा दिवस पर ब्रह्मांड के संस्थापक भगवान ब्रह्मा की सातवीं संतान के रूप में हुआ था।

पूजा विधि

विश्वकर्मा पूजा की सुबह, स्नान करें और खुद को शुद्ध करें। एक बार हो जाने के बाद, दैनिक उपयोग की सभी मशीनों और उपकरणों को साफ करें। फिर, सभी मशीनों की पूरे विधि-विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान भगवान विष्णु और भगवान विश्वकर्मा दोनों की फोटो लगाएं। फिर दोनों भगवानों को कुमकुम, अक्षत, गुलाल, हल्दी, फूल, फल, मेवे और मिठाई आदि अर्पित करें। सजावट के लिए आटे की रंगोली बनाएं और उस पर सात तरह के अनाज रखें। इसके अलावा, एक कलश (कलश) में जल भरकर पूजा के दौरान अपने पास रखें। अगरबत्ती जलाते हुए दोनों भगवानों की आरती करें। आश्चर्य है कि इस कठिन समय में अपने ईश्वर से कैसे जुड़ें? अब आप अपने घर से बाहर निकले बिना ऑनलाइन पूजा कर सकते हैं।

विश्वकर्मा पूजा का इतिहास

भगवान विश्वकर्मा ब्रह्मांड के दिव्य वास्तुकार हैं। हिंदू मिथकों, शास्त्रों और ज्योतिष की प्राचीन पुस्तकों के अनुसार। उन्होंने पूरे विश्व के विकास का खाका तैयार किया। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने द्वारका पवित्र शहर का निर्माण किया था जिस पर भगवान कृष्ण ने शासन किया था। भगवान विश्वकर्मा ने भी भगवान के लिए शक्तिशाली और विशेष अस्त्र-शस्त्र बनाए हैं और पांडवों की महासभा बनाई है। धार्मिक ग्रंथों से पता चलता है कि भगवान विश्वकर्मा वही हैं जो त्रिपक्षीय ब्रह्मांड - आकाशीय राज्यों और उनके ग्रहों, नश्वर क्षेत्र और उसकी दुनिया, और आकाशीय स्थानों और अन्य दुनियाओं को अस्तित्व में लाए। उन्होंने सत्य युग (स्वर्ग) में स्वर्ग, सोने की लंका, त्रेता युग में, द्वारका शहर, भगवान कृष्ण की द्वापर युग की राजधानी, और वास्तुकला के कई अन्य चमत्कारों का निर्माण किया। उन्होंने गाड़ियों और देवताओं की विभिन्न भुजाओं को आकार दिया और उन्हें सभी अद्वितीय दैवीय विशेषताएं प्रदान कीं। और उन्होंने हमें उद्योग विज्ञान के बारे में बताया, जो हमें हासिल की गई प्रगति को दिखाता है।

हंसना मना है

प्रेमी -प्रेमिका ने जब एक दूसरे को विवाह का वचन दे दिया, प्रेमिका- परन्तु प्रिय , में एक बात मैं पहले साफ कर दूं -मुझे खाना पकाना नहीं आता, प्रेमी- कोई बात नहीं प्रिय , मैं भी पहले ही साफ किये देता हूं , मैं कवि हूं , मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से पूछा -पत्नी द्वारा तलाक दे दिये जाने के बाद, अब आपको बहुत तकलीफ रहती होगी? मित्र ने कहा- नहीं, अब तो मैं ज्यादा सुखी हूं .. पहले मुझे दो लोगों का काम करना पड़ता था, अब एक का ही करना पड़ता हैं।

एक लड़की टेलीग्राम करने गई। उसने टेलीग्राम में केवल एक शब्द लिखा-यस काउण्टर पर बैठे क्लर्क ने पूछा-ये इतना छोटा टेलीग्राम आप किसे भेज रही हैं? लड़की-अपने बॉयफ्रेंड को, क्लर्क-इतने ही पैसों में आप कम से कम 10 शब्द और लिख सकती हैं। लड़की-ठीक है, लेकिन 10 बार यस-यस लिखने से क्या ऐसा नहीं लगेगा कि मैं कुछ ज्यादा ही बेक़रार हूं।

कहानी — कद्दू की तीर्थयात्रा

हमारे यहां तीर्थ यात्रा का बहुत ही महत्त्व है। पहले के समय यात्रा में जाना बहुत कठिन था। पैदल या तो बैल गाड़ी में यात्रा की जाती थी। थोड़े थोड़े अंतर पे रुकना होता था। विविध प्रकार के लोगो से मिलना होता था, समाज का दर्शन होता था। विविध बोली और विविध रीति-रीवाज से परिचय होता था। कंई कठिनाईओ से गुजरना पड़ता, कंई अनुभव भी प्राप्त होते थे। एकबार तीर्थ यात्रा पे जानेवाले लोगो का संघ संत तुकाराम जी के पास जाकर उनके साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताई। उन्होंने तीर्थयात्रियो को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा-मै तो आप लोगो के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाईए और जहां - जहां भी स्नान करे, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये। लोगो ने उनके गूढार्थ पे गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहां-जहां गए, स्नान किया वहां-वहां स्नान करवाया, मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगो ने वह कद्दू संतजी को दिया। तुकारामजी ने सभी यात्रिओ को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियो को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूपसे बनवायी गयी थी। सभी यात्रिओ ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि यह सब्जी कड़वी है। तुकारामजी ने आश्चर्य बताते कहा कि यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसी में कड़वाहट है ! यह सुन सभी यात्रिओ को बोध हो गया कि 'हमने तीर्थाटन किया है लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी एक कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आये है।'

7 अंतर खोजें

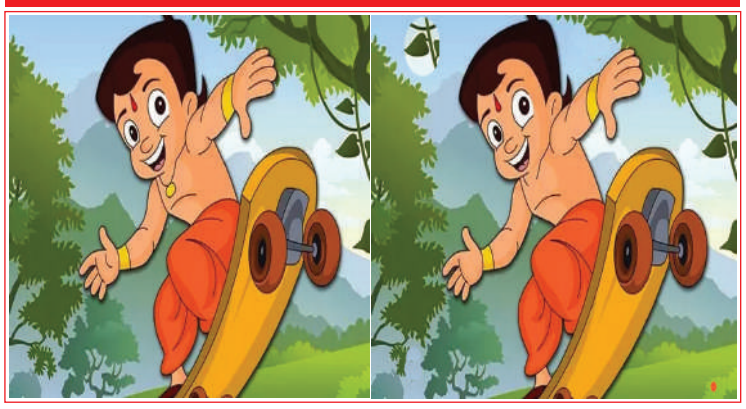

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे।

वृषभ — आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन — आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क — अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह — व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या — व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुला — फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे।

वृश्चिक — अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

धनु — सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

मकर — परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

कुम्भ — व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी।

मीन — किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

फिर से वजन बढ़ा लिया?, ताना सुनकर पति के सामने खूब रोई थीं विद्या बालन

एक समय था जब विद्या बालन अपनी बॉडी को लेकर थोड़ा नेगेटिव थीं और स्लिम दिखने की कोशिश करती थीं। लेकिन वक्त के साथ उन्होंने न सिर्फ अपनी बॉडी को स्वीकारा, बल्कि हमेशा ही बॉडी पॉजिटिविटी पर बात करती नजर आती हैं। एक समय था जब विद्या बालन को उनके बढ़े वजन और मोटापे के कारण भी खूब ताने सुनने पड़ते थे। लोग फब्तियां कसते थे। हाल ही विद्या बालन ने इस बारे में बात की, और बताया कि कैसे एक मसाज वाली ने उनके मोटापे को लेकर ताना मार दिया था। इस पर विद्या बालन रोने लगी थीं। विद्या बालन ने एक दिए इंटरव्यू में बॉडी नेगेटिविटी पर बात की, और बताया कि वह इससे कैसे उबरने की कोशिश करती हैं। साथ ही हाल ही हुआ एक किस्सा बताया, जब मसाज वाली ने बढ़े वजन पर सवाल पूछ लिया। विद्या बालन बोलीं, मैं बॉडी मसाज करवा रही थी। और मसाज वाली ने मुझसे कहा कि अरे फिर से वेट पुट ऑन कर लिया क्या? पहली बात तो ये कि यह बहुत ही निजी स्पेस है। मैंने बॉडी मसाज के लिए उस मसाज वाली पर विश्वास किया था। मैं यहां बैठने और अपनी बॉडी को जज करने के लिए नहीं आई। मैं यहां इसलिए आई हूं, ताकि मसाज से मुझे आराम मिले। मुझे बेहतर महसूस हो। विद्या बालन ने आगे बताया कि उन्होंने तुरंत ही उस मसाल वाली को हिदायत दी कि वह उनकी बॉडी पर कमेंट न करे। एक्ट्रेस रोने लगी थीं। उन्होंने कहा, मैंने उससे कहा कि मेरी बॉडी के बारे में कमेंट मत कीजिए। मुझे अच्छा नहीं लगता। आखिर उस लेडी को यह हक किसने दिया कि वो मेरे बारे में कुछ ऐसा कहे? इस घटना से विद्या बालन इतनी बुरी तरह प्रभावित हुई थीं कि जब पति सिद्धार्थ रॉय कपूर से मिलीं तो रोने लगी थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक, उस औरत को ऐसा कहने की क्या जरूरत थी? इतना बेरहम होने की क्या जरूरत थी? मैं इस मसाज का बेसब्री से इंतजार कर रही थी, क्योंकि पूरा हफ्ता बहुत बिजी निकला था। मैं थक गई थी। लेकिन पहले 10 मिनट में ही यह हो गया। विद्या बालन ने कहा कि वक्त के साथ वह खुद को इस नेगेटिविटी से बचाना सीख गई हैं। मसलन, वह सोशल मीडिया पर कमेंट्स नहीं पढ़तीं। कुछ समय के लिए तो एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कमेंट्स को डिसेबल कर दिया था। इसके अलावा विद्या बालन असल जिंदगी में उन लोगों से बचकर रहती हैं, जो उन्हें असहज महसूस कराते हैं।

बेटी ईशा देओल ने दिया बड़ा हिंट

फिर कमबैक करने जा रही हैं हेमा मालिनी

धर्मेंद्र की फैमिली के लिए साल 2023 खूब सारी खुशियां लेकर आया है। जहां एक तरफ धर्मेंद्र की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में शानदार रही, वहीं सनी देओल की गदर-2 ने सफलता के झंडे गाड़ दिए। सनी देओल की गदर-2 ने बॉक्स ऑफिस पर रई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दूसरी तरफ ईशा देओल भी शॉर्ट फिल्म एक दुआ से तारीफें बटोर रही हैं। अब फैंस को हेमा मालिनी का इंतजार है। पूरी देओल फैमिली एक बार फिर एक्टिंग फील्ड दोबारा से सक्रिय हो गया है। ऐसे में ईशा भी चाहती हैं कि उनकी मां हेमा मालिनी भी धमाकेदार कमबैक करें। हेमा आखिरी बार साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म शिमला मिर्च में नजर आईं थी। ये फिल्म शूटिंग होने के 5 साल बाद रिलीज की गई थी। ईशा ने हाल में ही एक इंटरव्यू में अपनी मां के कमबैक को लेकर खुलकर चर्चा की है। ईशा देओल ने मीडिया से बातचीत में हेमा मालिनी के कमबैक के बारे में बताया। एक्ट्रेस कहा कि मां कुछ स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं और वापसी करने की तैयारी कर रही हैं। वह एक अच्छे रोल और स्क्रिप्ट को तलाश कर रही हैं। ईशा ने कहा कि मेरी मां उस तरह की इंसान हैं जो कुछ बहुत अच्छा आने पर ही फिल्म को हां कहेंगी। अगर किसी के पास कोई अच्छी स्क्रिप्ट है तो उन्हें जरूर संपर्क कर सकता है।

मिशन रानीगंज का प्रमोशन करने पहुंचे परिणीति और अक्षय

जल्द ही बी टाउन डीवा परिणीति चोपड़ा शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। एक्ट्रेस की शादी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बीच हाल में परी अक्षय कुमार के साथ अपनी आने वाली फिल्म मिशन रानीगंज को प्रमोट करती दिखाई दी हैं। सोशल मीडिया पर स्टार्स का वीडियो सामने आया है, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

मिशन रानीगंज रियल लाइफ घटना पर आधारित है। फिल्म में परिणीति चोपड़ा और अक्षय कुमार ने लीड रोल में नजर आने वाले हैं। डायरेक्टर टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बनी यह फिल्म 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के

प्रमोशन के लिए दोनों स्टार पूजा एंटरटेनमेंट के ऑफिस पहुंचे थे।

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार और पंजाबी कुड़ी परिणीति चोपड़ा प्रमोशन के दौरान काफी स्टाइलिश लुक में दिखाई दिए। जहां परी ने ब्लैक काफ्तान कुर्ता कैरी किया था। काफ्तान पर गोल्डन जरी वर्क था और इसे उन्होंने व्हाइट पैंट के साथ पेयर किया था। वहीं उन्होंने अपने लुक को पोनी टेल और न्यूड मेकअप के साथ पूरा किया था। एक्ट्रेस के चहरे पर शादी वाला ग्लो अलग दिख रहा है।

बात अगर अक्षय कुमार के लुक की करें तो वह प्रमोशन के दौरान काफी हैंडसम लग रहे थे। खिलाड़ी कुमार ने भी पूरा ब्लैक लुक कैरी किया था। अक्षय कुमार ने ब्लैक टीशर्ट और ब्लैक पैंट के साथ व्हाइट स्नीकर्स पेयर किए थे और ब्लैक चश्मा लगाया हुआ था। इस लुक में एक्टर काफी हैंडसम लग रहे थे। बता दें कि अक्षय कुमार संग परिणीति चोपड़ा दूसरी बार काम करने जा रही हैं। दोनों पहले केसरी फिल्म में साथ दिख चुके हैं।

अजब-गजब | सरकार की अनदेखी की वजह से पलायन कर गये लोग

भारत का वो गांव, जहां रहता है सिर्फ एक परिवार

भारत विविधताओं का देश है। यहां आपको हर राज्य में ऐसा कुछ अनोखा मिल जाएगा, जो इस देश के प्रति आपका नजरिया ही बदलकर रख देगा। कहीं आपको बेहद घनी आबादी नजर आ जाएगी तो कहीं उजाड़ और वीरान इलाके भी दिख जाएंगे। इन सबके बावजूद ये देश अपने में बेहद खास है। आज हम आपको भारत के एक अनोखे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। इस गांव की खासियत ये है कि यहां सड़कें नहीं हैं, और इस गांव में सिर्फ एक परिवार रहता है।

भारत के इस गांव का नाम है बर्धनारा नंबर-2 इसी नाम का एक और गांव है जिसका नाम बर्धनारा नंबर-1 है। आपको बता दें कि ये गांव असम के नालबारी जिले में आता है। कई सालों पहले असम के एक मुख्यमंत्री ने गांव में एक सड़क का उद्घाटन किया था पर अब वो सड़क टूट चुकी है, उसका नाम-ओ-निशान नहीं है। यही एक सड़क, गांव को मुख्य शहर से जोड़ने का काम करती थी। मगर अब सिर्फ कच्ची सडकें मौजूद हैं।

कई दशकों पहले इस गांव में काफी लोग रहा करते थे। पर साल 2011 में हुई जनगणना के मुताबिक नंबर-2 बर्धनारा गांव में सिर्फ 16 लोग रह गए थे। पर अब तो ये संख्या और भी ज्यादा कम हो गई है। इस गांव में अब सिर्फ1 ही परिवार रहता है जिसमें 5 सदस्य हैं। लोग यहां से इस वजह से चले गए क्योंकि यहां सड़कें नहीं थीं और बारिश के दिनों में लोगों को काफी

असुविधा होती है। आज भी इस गांव में रह रहे परिवार को नाव की मदद से बारिश के दिनों में यात्रा करनी पड़ती है। परिवार के मुखिया का नाम बिमल डेका है वहीं उनकी पत्नी अनीमा, और उनके तीन बच्चे नरेन, दिपाली, और सियुती इस गांव में रहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिमल डेका के बच्चों ने बताया कि उन्हें स्कूल जाने के लिए कीचड़ से भरे रास्ते पर 2 किमी. तक पैदल चलकर जाना पड़ता है। बारिश में वो नाव से ही यात्रा करते हैं। इतनी दुर्गम परिस्थितियों में रहने के बावजूद बिमल ने अपने तीनों बच्चों को अच्छी शिक्षा दी है। दिपाली और नरेन स्नातक कर चुके हैं वहीं वहीं सियुती 12वीं में है। उनका कहना है कि नगर निगम और गांव पंचायत उस इलाके का ध्यान ही नहीं रखते हैं। इस वजह से गांव की स्थिति बिगड़ गई है। बिष्णुराम मेधी ने कुछ सालों पहले सड़क का उद्घाटन किया था। पर वो अब खराब हो चुकी है। इस वजह से लोगों को बहुत समस्या होती है। हालांकि, इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है।

क्या आप जानते हैं रेल ट्रैक के किनारे लिखे W/L और सी/फा का क्या होता है मतलब

ट्रेन से ज्यादातर लोगों ने सफर किया होगा। मगर रेलवे से जुड़े कई फैक्ट्स ऐसे हैं, जिनसे लोग आज भी अनजान हैं। जैसे आपने रेलवे स्टेशन के आसपास कभी ना कभी एक हाथी को देखा होगा, जो अपने हाथ में लालटेन लेकर हरे रंग की रोशनी दिखता है। लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि यह क्या है? दरअसल, इस गार्ड का नाम भोलू है और इसे भारतीय रेलवे का मैस्कॉट माना जाता है। भारतीय रेलवे के 150 साल पूरे होने पर इसका अनावरण किया गया था और साल 2003 में इंडियन रेलवे ने इसे अपना मैस्कॉट चुन लिया था। लेकिन एक और इंट्रेस्टिंग फैक्ट है। आपने रेलवे ट्रैक के किनारे लगे W/L और सी/फा बोर्ड्स देखे होंगे। आखिर इसका मतलब क्या है। आइए जानते हैं।

रेलवे में बहुत सारा काम संकेतकों के माध्यम से होता है। इसीलिए कई जगह साइन बोर्ड्स लगाए गए होते हैं। इनमें काफी महत्वपूर्ण जानकारियां छिपी होती हैं। हम सफर के दौरान इन्हें देखते तो हैं लेकिन कभी इनके बारे में जानने की कोशिश नहीं करते। ऐसा ही एक साइनबोर्ड होता है W/L और सी/फा। पीले रंग के ये बोर्ड बेहद आसानी से हमें नजर आ जाते हैं। लेकिन इसका सही मतलब ज्यादातर लोगों को पता नहीं। इसका मतलब है सीटी बजाना। ये बोर्ड रेलवे क्रॉसिंग के लिए सीटी सूचक है। इसमें अंग्रेजी में W/L और हिंदी में सी/फा लिखा होता है। बोर्ड ट्रेन के ड्राइवर को इस बात से अवगत कराता है कि आगे मानव रहित फाटक आने वाला है अत: वह ट्रेन की सीटी बजाते हुए फाटक को पार करें। सामान्यत: W/रुया सी/फा लिखा हुआ बोर्ड मानव रहित फाटक से 250 मीटर पहले लगाया जाता है। इसी प्रकार W/B बोर्ड ट्रेन के ड्राइवर को इस बात से अवगत कराता है कि आगे पुल आने वाला है अत: वह पुल पार करते समय सीटी बजाए।

पीएम के सामने राजस्थान के सांसदों की बोलने की हिम्मत नहीं : परसादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दौसा। राजस्थान के चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सामने राजस्थान के 25 एमपी की बोलने की हिम्मत नहीं है। उनके पंख काट दिए हैं। जिन्होंने हमको विधायक और मंत्री बनाया। उस जनता के लिए बीजेपी नेता कहते हैं कि हम उनको रेवड़िया बांट रहे हैं। मंत्री परसादीलाल मीणा ने कहा कि हम कोई पाकिस्तान के लोगों को फ्री योजनाओं का लाभ नहीं बांट रहे, हम हमारे लोगों को बांट रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो ईआरसीपी के नाम से बात ही नहीं करते और जो राजस्थान के 25 सांसद हैं, उनमें से एक की भी मजाल नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी से कह सकें कि इस ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया जाए। उन सबके पंख काट रखे हैं। बिना पंख के सांसद हैं। राज्य के चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने लालसोट के डिडवाना गांव में युवा कांग्रेस के नेतृत्व में महंगाई राहत सम्मेलन में हिस्सा लिया। जिसमें युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक पटेल के नेतृत्व में महंगाई राहत सम्मेलन के तहत लोगों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया।

मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा जारी अन्नपूर्णा योजना के तहत फूड पैकेट, महिलाओं को स्मार्ट फोन और पेंशन लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपकर कर योजनाओं से लाभान्वित किया।

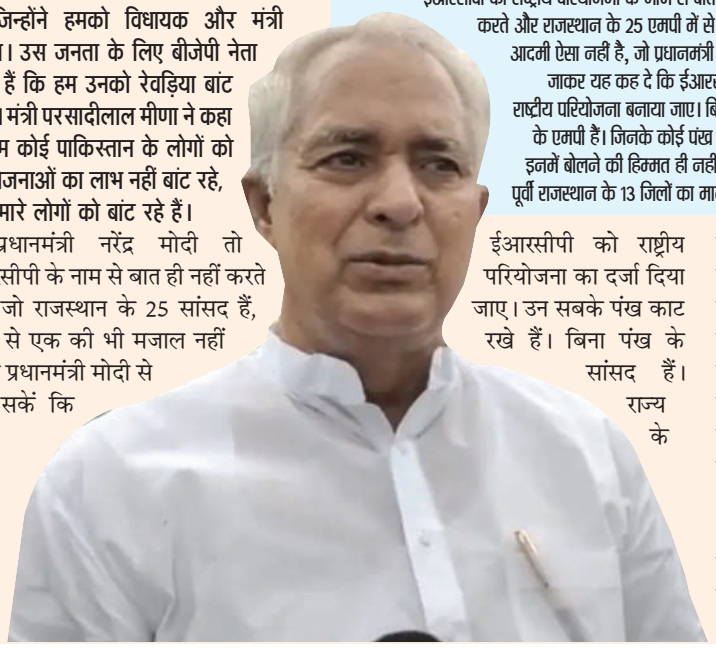

जल्द करेंगे राहुल गांधी ईआरसीपी की घोषणा करेंगे

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल ने कहा कि मुझे उम्मीद है, जल्द ही लालसोट के बगड़ी गांव में राहुल गांधी आकर ईआरसीपी की घोषणा करेंगे। ईआरसीपी को राजस्थान सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा पीएम ईआरसीपी की राष्ट्रीय परियोजना के नाम से बात ही नहीं करते और राजस्थान के 25 एमपी में से एक भी आदमी ऐसा नहीं है, जो प्रधानमंत्री मोदी से जाकर यह कह दे कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना बनाया जाए। बिना पंख के एमपी हैं। जिनके कोई पंख नहीं है। इनमें बोलने की हिम्मत ही नहीं है। यह पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों का मामला है।

मध्यप्रदेश में पेट्रोलियम पर वैट कम करें

मंत्री परसादी लाल मीणा बोले-पेट्रोल-डीजल की रेट तो भारत सरकार ने बढ़ाई है। वह रेट कम करे। मध्य प्रदेश में राजस्थान से ज्यादा वैट है। प्रधानमंत्री और भाजपा वाले पहले उनसे कह कर वैट कम करवाएं, हमने पहले भी दो बार वैट कम कर दिया है। एमपी ने एक बार भी वैट नहीं घटाया है। उनका वैट हमसे ज्यादा है। अगर वह वैट कम करेंगे, तो हम भी वैट कम कर देंगे, हमें कहां दिक्कत है।

राजस्थान अपराधियों के लिए स्वर्ग बना : प्रहलाद जोशी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर गहलोत सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर क्या दबाव है, जिसके कारण मुख्यमंत्री अपने ही मंत्रियों पर उनके ही विधायकों द्वारा लगाए गए आरोप की जांच नहीं करवा पाते। राजस्थान के इतिहास में ऐसा मुख्यमंत्री शायद ही कभी कोई रहा होगा। योजना भवन में ढाई करोड़ की नकदी और सोने के बिस्किट पाए जाते हैं, ऐसा घोर भ्रष्टाचार देखकर तो यही लगता है कि मुख्यमंत्री और उनके विधायक सब मिले हुए हैं, और भ्रष्टाचार सरकार की मिली भगत से हो रहा है।गहलोत सरकार कांवड़ यात्रा पर बैन लगाती है और पीएफआई को रैली निकालने की अनुमति देती है। राजस्थान आज अपराधियों के लिए स्वर्ग बन चुका है। गहलोत सरकार एक तरफ फ्री बिजली की घोषणा करती है। दूसरी तरफ दस-दस घंटे बिजली कटौती करती है। कर्नाटक इसका जीता जागता उदाहरण है। कांग्रेस सरकार ने फ्री बिजली नहीं आमजन को बिजली से फ्री कर दिया है। कांग्रेस गठबंधन के सहयोगी स्टालिन के बेटे द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी इनकी तुष्टिकरण की राजनीति है, जो ये लोग हमेशा से करते आए हैं।

अनंतनाग के बाद बारामुला में भी मुठभेड़ जारी

» सुरक्षाबलों और दहशतगर्दों के बीच गोलीबारी, दो आतंकी ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू और कश्मीर। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में मुठभेड़ के बीच उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस ने बताया कि बारामुला के उड़ी के हथलंगा के अग्रिम इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस ऑपरेशन में दो आतंकी मारे गए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला हुआ है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। उधर, दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में आतंकियों के साथ चल रही मुठभेड़ अब भी जारी है। मुठभेड़ स्थल पर सुरक्षा बल कड़ी निगरानी कर रहे हैं। कोकेरनाग के गडूल के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस का कहना है जल्द आतंकियों को मार गिराएंगे। फिलहाल सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सेना आतंकियों की खोजबीन के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल कर रही है, जिसके कैमरे में आंतकियों की मूवमेंट भी कैद हुई है। बताया जा रहा है कि आतंकी पहाड़ी और जंगल की तरफ छिपे हुए हैं।

हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग हो : प्रो. सनोबर हैदर

» आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के उपक्रम हडको ने राजभाषा पखवाड़ा मनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के उपक्रम हडको के द्वारा अपने क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ में राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। जिसमें राजभाषा कार्याशाला का भी आयोजन किया गया। कार्यालय में हिन्दी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने एवं राजभाषा हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रेरित करने का कार्य किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में श्रीमती सनोबर हैदर, सहायक प्रोफेसर, एमबीपी गवर्नमेंट कालेज, लखनऊ ने हिन्दी को विरासत के रूप में अग्रसर करने हेतु विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने 14 सितम्बर, 1949 की संविधान सभा में हिन्दी की संघ भाषा के रूप में अंग्रीकृत करने पर विशेष जानकारी एवं राजभाषा अधिनियम सहित भारतीय संविधान के सुसंगत प्रावधानों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर कार्यालय सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों उपस्थित रहे। कार्यशाला में क्षेत्रीय प्रमुख आर. के. श्रीवास्तव, हिन्दी नोडल अधिकारी अयाउद्दीन, वरिष्ठ अधिकारियों मे संयुक्त महाप्रबन्धक संजय कुमार व उप महाप्रबन्धक राजीव शर्मा एवं अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लिया एव 'हिन्दी को अग्रसर करने का संकल्प लिया।

इंडिया गठबंधन को नि:शर्त समर्थन देगी आजाद अधिकार सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज कहा कि उनकी पार्टी आगामी 2024 लोक सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को निशर्त समर्थन देगी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में केंद्र और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जिस प्रकार की अतीव तानाशाही, निरंकुशता तथा विद्वेष की स्थिति उत्पन्न कर दी है। इन स्थितियों में केंद्र की मौजूदा सरकार का अवसान लोकहित में आवश्यक है, अत: आजाद अधिकार सेना अपनी पूरी शक्ति भर इंडिया गठबंधन का नि:शर्त समर्थन करेगी और अपने स्तर से इस दिशा में हर संभव प्रयास करेगी।

सीधी पेशाब कांड: आरोपी भाजपा नेता के खिलाफ अगले हफ्ते सुनवाई

» एनएसए के खिलाफ दायर की गई याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जबलपुर। मध्यप्रदेश के सीधी में आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब करने वाले भाजपा नेता के खिलाफ एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई किए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमथ तथा जस्टिस नंदिता दुबे की युगलपीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की अनुपस्थिति के कारण अगले सप्ताह सुनवाई निर्धारित की है।

याचिकाकर्ता कंचन शुक्ला की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि उनका पति प्रवेश शुक्ला एक पार्टी का नेता है। पति द्वारा एक आदिवासी युवक पर पेशाब करने का वीडियो वायरल होने के बाद इसे राजनीतिक मुद्दा बना लिया गया। प्रशासन द्वारा भी उसके खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की गई है। याचिका में एनएसए कार्रवाई की वैधता को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की तरफ से तर्क दिया गया कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। मामले को राजनीतिक मुद्दे का रूप दिया गया था। इसके कारण प्रशासन ने आरोपी के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई की है। एनएसए की कार्रवाई अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। सरकार की तरफ से पेश किए गए जवाब में कहा गया था कि पब्लिक ऑर्डर के तहत आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। राज्य सरकार द्वारा भी एनएसए की कार्रवाई पर सहमति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश का हवाला भी दिया गया था। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश जवाब में कहा गया कि वायरल वीडियो साल 2020 का है। तीन साल बाद वीडियो के आधार पर एनएसए की कार्रवाई करना अवैधानिक है। किसी प्रकार के दंगे या विवाद की कोई स्थिति निर्मित नहीं हुई थी।

गिल की मेहनत पर फिरा पानी, हारा भारत

» एशिया कप सुपर-4 में छह रन से जीता बांग्लादेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। एशिया कप 2023 सुपर-4 में भारत बनाम बांग्लादेश मुकाबला कोलंबो में खेला गया। वहीं टॉस गंवा कर बांग्लादेश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 50 ओवर में 265 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 259 रनों पर ही सिमट गई। इस दौरान शुबमन गिल ने 121 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

वहीं भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद डेब्यू कर रहे तिलक वर्मा महज 5 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठें। फिर शुबमन गिल का साथ देने क्रीज पर आए केएल राहुल ने गिल के साथ मिलकर 57 रनों की अहम पार्टनरशिप पूरी की। लेकिन वो अपना विकेट बचा नहीं पाए और मेहदी हसन के शिकार बन गए। इस दौरान राहुल ने महज 19 रन बनाए। इसके बाद ईशान किशन भी महज 5 रन बनाकर आउट हो गए। फिर क्रीज पर आए सूर्यकुमार यादव के 26 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, इस दौरान गिल ने 122 रनों के बेहतरीन पारी खेली। इस एशिया कप में गिल ने अपने वनडे करियर में 1000 रन भी पूरे कर लिए हैं। गिल के अलावा अक्षर पटेल ने 42 रनों के अहम पारी खेली। जबतक अक्षर पटेल क्रीज पर थे तो उम्मीद थी कि भारत इस मुकाबले को जीत जाएगा। लेकिन अक्षर का विकेट गिरने के बाद भारत की उम्मीदें भी ना के बराबर हो गईं।

कुछ खिलाड़ियों को देना चाहते थे मौका : रोहित

रोहित ने अक्षर पटेल की भी प्रशंसा की जिन्होंने अंत में 42 रन की पारी खेली। उन्होंने कहा, "अक्षर ने बेहतरीन बल्लेबाजी की लेकिन वह मैच खत्म नहीं कर सके। लेकिन श्रेय बांग्लादेश के गेंदबाजों को जाता है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को यहां एशिया कप के अंतिम सुपर फोर मैच में बांग्लादेश से मिली छह रन की हार के बाद अंतिम एकादश में किये पांच बदलाव पर कहा कि वे व्यापक पहलू को देखते हुए कुछ अन्य खिलाड़ियों को मौका देना चाहते थे। हालांकि इस मुकाबले का नतीजा मायने नहीं रखता था। इसलिये भारतीय कप्तान ने अंतिम एकादश में पांच बदलाव किये। उन्होंने मैच के बाद कहा, "हम विश्व कप को देखते हुए अन्य खिलाड़ियों को भी 'गेम टाइम' देना चाहते थे। हम इस मैच में जैसा खेलना चाहते थे, वैसा नहीं हुआ। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को लाना चाहते थे जो विश्व कप में खेल सकते हैं।

दृष्टिबाधितों ने अनोखे अंदाज में दी पीएम को बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वे देख नहीं सकते पर अपनी अनुभूति से उन्होंने ऐसा काम किया कि सब लोग उसको देखकर स्त ध रह गए। दरअसल, 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिन है। उसी उपलक्ष्य में चार सौ नेत्रहीन बच्चों ने उनके लिए 1.25 किमी की लंबाई की एक बधाई संदेश पत्रों की माला बनाई। इस बधाई पत्र में इन बच्चों ने प्रधानमंत्री के नौ साल के कार्यों के तस्वीरों को माले में पिरोकर एक लंबी मानव श्रृंखला भी बनाई।

यह श्रृंखला दयाल चौराहे पर प्रदर्शित की गई। यह आयोजन नेशनल एसोशिएशन फॉर ब्लाइंड के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजक राजेश सिंह दयाल ने कहा कि इस कार्यक्रम के द्वारा दिव्यांग, दृष्टिबाधित बच्चों में प्रेरणा व मनोबल बढ़ाने का काम किया जाएगा। इस आयोजन में राजेश सिंह दयाल फाउंडेशन , सामाजिक एवार्ड ट्रस्ट, अवार्ड काउंसिल आफ इंडिया, यूपी व दिव्यांग इंडियन चैम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ने कभी सहयोग किया।

1.25 किमी की लंबाई का संदेश पत्र भेजा

बच्चों में प्रेरणा व मनोबल बढ़ाने का प्रयास

बच्चों ने 4 महीने में तैयार किया माला

इस कार्ड में प्रधानमंत्री के 9 साल के सभी अच्छे कामों का वर्णन किया गया है। इस कार्यक्रम में गुजरात से आए कुछ अतिथि भी शामिल हुए। इस कार्यकर्म में क़रीब 4 सौ दिव्यांग बच्चे शामिल हुए। बता दें इस कार्ड को दिव्यांग बच्चों ने 4 महीने में तैयार किया है। इस अवसर कई लोगों का स मान भी किया गया।

सनातन पर विवाद दुर्भाग्यपूर्ण : रक्षामंत्री

» राजनाथ बोले- वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाला धर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सनातन धर्म पर अलग-अलग दलों के नेताओं के विवादित बयान आने के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को लेकर हो रहा विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। सनातन धर्म वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाला धर्म है।

यह धर्म जाति, पंथ और मजहब से ऊपर उठकर संपूर्ण विश्व को अपना परिवार कहने वाला धर्म है। इसका न कोई आदि है न कोई अंत है। इस पर विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। सनातन धर्म को मानने वाली महिलाएं चीटियां दिखने पर उन्हें आटा डालती है। इस पर विवाद नहीं होना चाहिए। रक्षामंत्री लखनऊ में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन जल्द होगा।

विकास कार्यों पर की चर्चा

उन्होंने लखनऊ के विकास पर कहा कि फरवरी से लखनऊ में मिसाइलों का निर्माण होने लगेगा। शहीद पथ पर एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा शहर में 11 नए फ्लाईओवर बनाने और अवध चौराहे पर अंडर पास बनाने का प्रस्ताव है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ दौरे पर हैं।

मध्यप्रदेश में आफत की बारिश जारी, जन-जीवन प्रभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के कई जिलों में जारी बारिश अब मुसीबत का सबब बन गई है। बड़वानी और इंदौर जिले में लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए विद्यार्थियों की छुट्टी कर दी है। जिन विद्यालय में त्रैमासिक परीक्षा संचालित है वे विद्यालय प्रथम पारी के उपस्थित छात्र-छात्राओं की परीक्षा यथावत संचालित करेंगे, द्वितीय पारी में परीक्षाएं संचालित नहीं होगी।

शाजापुर जिले में शुक्रवार रात से लगातार बारिश का दौर जारी है, जिसके चलते जिले के तमाम नदी नाले उफान पर हैं। शहर के चीलर डैम में 16 फिट के लगभग पानी भर चुका है। बारिश और तेज

16 फिट के लगभग पानी भर चुका है शहर के चीलर डैम में

हवाओं के बीच रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो चुका है। उज्जैन में रात से लगातार जारी तेज बारिश के कारण शहर की प्यास बुझाने वाले गंभीर डेम के पांच गेट खोलने पड़े हैं। नगर निगम के पीएचई इंजीनियर राजीव शुक्ला ने बताया कि गंभीर डेम के लेवल को मैंटेन करने के लिए देर रात से पांच गेट खोले गए हैं।

रेलवे कॉलोनी में मकान ढहा, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

» आलमबाग में हुआ बड़ा हादसा, मलबे में दब गए लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उ ार रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली रेलवे कॉलोनी में देर रात एक मकान की छत ढह गई, जिससे पांच लोगों की दब जाने से मौत हो गई। बारिश के बाद मकान और कमजोर हो गया था। सुबह सफाईकर्मियों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पुलिस और एनडीआरएफ की टीम पहुंची।

टीम ने मलबा हटाकर पांच लोगों को बाहर निकला और उन्हें इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और सुबह लोगों का तांता लग गया जिसे संभालने के लिए और पुलिस बुलानी पड़ी। मृतकों में सतीश चंद्र (40), सरोजनी देवी (35), हर्षित (13), हर्षिता (10) और अंश (5) शामिल हैं। डीसीपी पूर्व हृदेश कुमार ने बताया कि पुरानी रेलवे कॉलोनी में घर की छत ढह गई। परिवार के पांच लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मकान कंडम पर रेलवे ने नहीं करवाया खाली

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली कॉलोनी में करीब 200 परिवार रहते हैं। कॉलोनी के ज्यादातर मकान जर्जर हैं और कंडम घोषित किए जा चुके हैं। बावजूद इसके रेलवे प्रशासन ने लोगों से मकान खाली नहीं करवाए और लोग रह रहे हैं। जिसके चलते हादसा हुआ। जिस मकान की छत गिरी उस वक्त मकान में पांच लोग थे, जिनकी मौत मलबे में दबने से हुई है। सतीश चंद्र के पिता रामचंद्र पहले रेलवे में थे जिनकी मृत्यु के बाद मां का भी निधन हो गया और सतीश चंद्र को अनुकंपा पर नौकरी मिलने की उम्मीद थी। सतीश अपने परिवार के साथ यहां रहते थे जबकि सतीश के भाई अमित भी रेलवे में है।

डिप्टी सीएम ने जताया दुःख

हादसे पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गहरा दुःख जताते हुए त्वरित राहत कार्य के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना का संज्ञान लेते हुए तुरंत ही स्थानीय अधिकारियों से वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि रेलवे का यह मकान काफी पुराना था। अन्य कोई व्यक्ति इसमें फंसा ना हो। इस कारण मलबे को तुरंत हटाया जा रहा है। डिप्टी सीएम ने आश्वासन दिया है कि पीड़ित परिवार के शेष परिजनों को सरकार की ओर से हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी।

उदयनिधि के खिलाफ तत्काल सुनवाई से 'सुप्रीम' इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को उसके मंत्री उदयनिधि स्टालिन और सनातन धर्म उन्मूलन स मेलन के आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। भारत के मु य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका की अर्जेंट हियरिंग की मांग ठुकरा दी।

वकील जी बालाजी के माध्यम से दायर याचिका में यह घोषणा करने की मांग की गई कि 2 सितंबर को आयोजित सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में राज्य के मंत्रियों की भागीदारी असंवैधानिक थी और यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन है। इसके अलावा, इसने यह जानने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की कि क्या सीमा पार और भारत के बाहर, खासकर श्रीलंका तमिल लिट्टे फंड से आतंकी फंडिंग का कोई तत्व इसमें शामिल है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वि ीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।